बाइबिल पढ़ना 15: उदारता

आकाश परमेश्वर की महिमा वर्णन करते हैं और अंबर उसकी दस्तकारी दिखाता है।

दिन-दिन के साथ बात करता है

और रात-रात को ज्ञान देती है (भजन संहिता 19:1,2)

(भजन संहिता 19:3,4)

हम इस भजन संहिता में पढ़ते हैं, परमेश्वर की रचना (स्वर्ग और पृथ्वी)

- परमेश्वर की महिमा का वर्णन
- उसके हाथों की दस्तकारी
- बिना संकोच के बात करना
- ज्ञान को प्रकट करना

हम पढ़ते हैं परमेश्वर की रचना बारे, यदि हम ध्यान से समझ कर देखे यह एक शारीरिक विधि है जो पूर्ण अवस्था के साथ जगत में प्रकट होती है परमेश्वर भी आत्मिक विधि के द्वारा आदेश दता है जो जिन्दगी को नियंत्रण में रख सके। इनमें से एक उदारता की विधि है। यह हमें सिखाती है।

परन्तु बात यह है भाई जो कम बोता है वो कम काटेगा और जो खुले दिल से बीजता है वो खुले दिल से काटेगा (2 कुरिंथियों 9:6)

क) भाईचारा

पढ़ो (1कुरंतियों 3:9, 2 कुरंथियों 5:20,6:10)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

परमेश्वर के साथ भाईचारे की तरह यह हमारे लिए समझना बहुत जरूरी है कि जिम्मेदारीयाँ कहाँ पड़ी हैं

1. परमेश्वर मालिक के तौर पर है

पृथ्वी और उसकी भरपूरी यहोवा की है

जगत और उसके निवासी (भजन संहिता 24:1)

यह भी देखें भजन संहिता 89:1, अयूब 41:11, 1 इतिहास 29:10,11; 29:10,14

हम मालिक नहीं पर नौकर हैं। सारा अधिकार परमेश्वर के पास है। हरेक वस्तु जो बनी हुई है जीवित है। और नहीं बुनियादी तौर पर उसके साथ सम्बन्ध रखती हैं जिसमें शामिल हरेक वस्तु जो इस्तेमाल में आने वाली और जो नहीं इस्तेमाल में आने वाली और जो वह हम सम्भावना करते हैं जो हमारी जीवन में शामिल हैं जैसे: अधिकार, काम-कार्य, परिवार।

उसने यह सभी वस्तुएं खुशी के लिए दी है (1 तिमुथीयुस 6:17) जब हम सपष्ट तरीके के साथ इसको स्वीकार करते हैं कि यह सभी परमेश्वर के साथ सम्बन्ध रखती हैं। हम परमेश्वर में आत्मिक विश्वश के साथ बचे हुए हैं परमेश्वर भी उनके प्रति जिम्मेदरी रखता है।

2. परमेशवर हमारे साथ है

हम मालिक नहीं हैं पर नौकर हैं (या सेवक) यह सेवक उनकी देख-रेख करता हैं जो उस के साथ सम्बन्ध रखते हैं। सब कुछ परमेश्वर का है पर हम उसके सेवक है, हम उसके लिए इन सभी की देख संम्भाल करते हैं हमे यह अधिकार है

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

कि हम उसकी परचारकता में वफादार रहें। प्रभु ने हमें उन वस्तुओं की देख-रेख करने की खास जिम्मेदारी के लिए अपने अधिकार में रखा है। और वह हमें अधिकार दे चुका है।

(पढ़ो मत्ती 25-14-30)

जब हम समझते हैं इस मालिक और सेवक का सम्बन्ध के साथ हम परमेश्वर की विशेषता का आनन्द मानते हैं यह विचार करने के लिए आसान है।

परचारकर्त्ता हरेक अकेली वस्तु को ढ़के रखता है जो हमारे साथ सम्बन्ध रखती है।

क) हमारा जीवन (प्रेरितों के कार्य 17:25, 1 कुरंथियों 6:19)

(गलातियों 2:20, अयूब 33:4)

"और न ही मनुष्य के हाथों से उसकी सेवा टहल होती है, मानों कि उसे किसी बात की आवश्यकता हो, क्योंकि वह स्वयं सब को जीवन, श्वास और सब कुछ प्रदान करता है।"

(प्रेरितों के कार्य : 17:25)

ख) हमारा समय

(भजन संहिता 90:12, इफिसियां 5:15,16 कलुसियों 4:5)

"हमें हमारे दिन गिणने ऐसे सिखला भाई हम हिम्मत वाला मन प्राप्त करें "

(भजन संहिता 90:12)

ग) हमारी योग्यता के ऊपर समर्था

(1 पत्तरस 4:10, 1 कुरंथियों 12:4,7)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

"हरेक को जैसी–जैसी दात मिली उससे एक दूसरे की टहल करो जैसे, परमेश्वर की बहु–रंगी कृपा के नेक मुख्तयारों को उचित है।"

(पत्तरस 4:10)

घ) हमारी सम्पत्ति और जायदाद (मत्ती 6:19–21, कुलुसियों 3:1, 2)

"अपने लिए धरती के ऊपर____________________________"

"पर स्वर्ग में अपने लिए धन इकट्ठा करो जहाँ न कीड़ा न जंगाल बिगाड़ता है, और जहाँ न चोर सेंध लगाकर चोरी करते हैं____________________ क्योंकि जहाँ तेरा धन है वहाँ तेरा मन भी होगा"

(मत्ती 6:19–21)

ङ) शुभ समाचार का सुनेहा

(1 कुरंथियो 4:1, 9:16, 17:1, 1 तीमुथीयुस 6:20)

"इसलिए यदि मैं सुसमाचार प्रचार करूं तो यह मेरे लिए कोई घमण्ड नहीं, क्योंकि इसके लिए तो मैं विवश हूँ। यदि मैं सुसमाचार प्रचार न करूं तो मुझ पर हाय!" (1 कुरंथियो 9:16)

फिर भी इस लिए बहुत सारे क्रिश्चन अब तक लेने के लिए संघर्ष करते हैं, कोई बात नहीं, (कोई पता नहीं) उन्हें कितना चाहिए। परन्तु हाल सूचित करती है यह विश्वासी में भरी हुई आशीषे (अच्छी वस्तुएं) अच्छी प्रचारकर्त्ता के अधीन है– पूरी जिन्दगी का सामर्थन, अधिकार प्रभु की इच्छा और उद्देश्य के यह केवल जह हम खुद को प्रभु को सौप देते हैं यह हमें सिखाता है इसका क्या मत्तलब है कुछ जायदाद, सम्पत्ति देने का प्रभु हमें दे चुका है

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

ख) पुराने समय के चर्च में देना

"सब विश्वासी मिल जुलकर रहते थे और उनकी सब वस्तएं सांझे की थी वे अपनी सम्पत्ति और सामान बेचकर जैसी जिसकी आवश्यकता होती थी सब को बांट दिया करते थे।" (प्रेरितों के कार्य 2:44-45)

विश्वास करने वालों की मण्डली एक मन और एक जान थी और किसी अपने माल में से किसी वस्तु को अपना नहीं कहा पर वह सभी वस्तुएं सांझी थी।

1. चर्च ने जीवन की महत्त्वपूर्ण जरूरतों को पूरा किया हैं

पुराने समय के चर्च में, खास आदमी जरूरी वस्तुओं को बाँटना पसन्द करते थे, और भेंट की बाँट ओंर विधवाओं के लिए अच्छे उपहार और जरूरतमंद वस्तु बाँटने में सहायक थे।

(देखें प्रेरितों के कार्य 6:1-3)

इन आदमियों ने संस्थाओं के विचारो का आदान-प्रदान करने का मार्ग बना लिया था, जितनी वहाँ वास्तविक तौर पर जरूरत थी।

2. **चर्चो ने (कलीसिया) एक दूसरे के लिए बलिदान दिया**

जब यहूदी (क्रिश्चन) यरूश्लम में अकाल में गरीबी और अधिक कठिनाइयों का सामना करते थे तो बड़ी निर्मता के साथ चर्च (कलीसिया)ने उनकी मदद की थी।

"हे भाइयों, अब हम तुम्हें परमेश्वर के उस अनुग्रह के विषय में बताना चाहते हैं जो मैसीडोनिया की कलीसियाओं पर हुआ"

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

"संकटों की कठिन परीक्षा में उनके अपार आनन्द और घोर दरिंद्रता के फलस्परूप उनकी उदारता उमड़ पड़ी।" (2 कुरंथियो 8:1,2)

यह भी देखें (1, 4 भी देखें)

3. चर्च ने गती करने वाली संस्थाओं की सहायता की है

संत-पौलुस ने जगह-जगह पर नए चर्चो की स्थापना की और कुछ मौकों पर उनसे अपने हाथों से किरत करके अपनी सहायता की।

(प्रेरितों के कार्य 18:3 थसलुनीकियो 3:7-9)

कुछ और मौके पर फिलिप्पयों चर्च ने यह दिखाया कि अच्छी आत्मा का देन वह है जिसकी परमेश्वर ने प्रशंसा की है। जिस तरह पौलुस मे गती करने वाली संस्थाओं को सहायता दी है।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

1. परमेश्वर हमारे से प्रतिशत के साथ आशा की शुरूआत करता है

"हमारे दसवंद मेरे मोदीखाने में लाओ तो जो मेरे भवन में भोजन हो और उसके साथ मुझे परताओं सैना का यहोवा कहता है, कि मैं तुम्हारे लिए आकाश की खिड़कियों को खोलता हूँ कि नहीं कि भाई तुम्हारे लिए बरकत बरसाऊँ। यहाँ तक कि उसके लिए जगह ना होगो।"

2. हम योजनानुसार और लगातार देते हैं

"तो हिज़कियाह मे हुकम दिया कि यहोवा के भवन में कोठड़ीयां बनाई जाए तो उन्होंने कोठड़ीयाँ बनाई"

"वह उठाने की भेटों और दसवंद और पवित्र की हुई वस्तुएं__________ ____"

(2 इतिहास 31:11,12)

3. हम अपना पहला सर्वोच्चत्तम प्रभु को देते हैं"

"अपना माल और अपनी सारी पैदावार के पहले फल के साथ यहोवा की महिमा कर"

"तो मेरे खाते पैदावार के साथ भरे रहेंगे और तेरे दाखों के बेलने नए रस के साथ छलकेंगे"

मेरा विचार

इस शिक्षा के जरिए दिल की उदारता और दुनिया प्रति व्यवहार की महत्ता को स्वीकार किया है आज मैंने खुद को उत्तरदायी बनाया है मैं अपनी जिन्दगी की शुरूआत से ही अपनी आमदन का बताना

"और मुझे सब कुछ मिला हुआ है, और बहुतायत से है। तुमने इपफ्रुदीतुस के हाथ से जो दान भेजा उसे पाकर मैं संतुष्ट हूं। वह तो मनमोहक सुंगन्ध और ग्रहणयोग्य बलिदान है जिससे परमेश्वर प्रसन्न होता है।"

(फिलप्पियों 4:18)

(यह भी देखें 15-17)

4. क्रिश्चनों ने कार्यो के साथ देना योग्य बनाया है

"चोरी करने वाला फिर चोरी न करे, परंतु भलाई करने के लिए अपने हाथों से परिश्रम करे, जिससे कि आवश्यकता में पढ़े हुए को देने के लिए उसके कुछ हो"

(इफिसियों 4:28)

5. देना उनके प्यार का सबूत था

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

और बराबरी हो भई इस बार तुम्हारी बढ़ौतरी उनकी कमी को पूरा करे तो जो उनकी बढ़ोतरी भी तुम्हारी कमी को पूरा करे तो जो बराबरी रहें।

(2 कुरिंथियों 8:14,24)

यह भी देखें (7–15, 1कुरिंथियों 16:1,2, 1यूहन्ना 3:17,18)

ग)परमेश्वर के देने के सिद्धांत

1 कुरंथियों 10:11 में हम इसराएल की उदारण से जान कर बताते है। हमने सिद्धान्तों को लागू किया। जो परमेश्वर द्वारा उनको दिये गए। इस मौके पर हम इसराएल पर उनके आगुओं की गलतीयों को छोड़ा है जो उन्होंने उजाड़ में की।

और देन के क्षेत्र में हम कुछ उचित नियम (उपदेश) ढूँढ़ते हैं यह हमें देने में मदद कर सकते हैं।

हिस्सा प्रभु के काम के लिए दिया है। मैं दूसरों को ऐसा करने में उनको हिम्मत बढ़ाऊँगा और उनको सिखलाऊंगा।

"पर आपने जो चुना हुआ वंश, जाजकों की शाही मण्डली पवित्र कौम परमेश्वर की खास परजा हो भाई आप उसके गुणों का प्रचार करो जिससे आपको अंधकार से अपने अर्चज प्रकाश में बुला लिया "

(1पत्तरस 2:9)

याद रखने योग्य वचन

1. पत्तरस 4:10

2. भजन संहिता 24:1

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

3. 2 कुरंथियों 9:6

4. निर्गमन 3:9,10

5. मलाकी 3:10

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाइबिल पढ़ना–16: राज्य निवास

क) अधिकार का बदलना

हम शैतान के राज्य से मुक्त हो चुके हैं। अब हम एक सभी नए अधिकार के अन्दर हैं– वह प्रभु यीशु का हैं।

विश्वासी के तौर पर प्रभु में उसकी नई जिन्दगी के बढ़ने की शुरूआत करता है, वह जल्दी पता लगाता है कि केवल एक रास्ता है हम परमेश्वर के राज्य में ठीक सम्बन्ध के साथ यीशु के साथ रहन का आनंद मनाते हैं।

इफिसियों 1:17 और फिलिप्पियों 3:10 से, इस सम्बन्ध की चाबी हैं?

परमेश्वर के साथ नई जिन्दगी की शुरूआत पर, यह सम्बन्ध दो अलग आकार लेता है;

1. महान्

यह बहुत पहला सम्बन्ध है हम सदा यीशु के साथ रह सकते है। हम परमेश्वर को पिता के तौर पर और मित्र के तौर जान नहीं सकते। जब तक हमारे पास पहला यीशु का प्रकाश महान् के तौर पर नही है– एक जो हमारे लिए मरा और हमें शैतान के राज्य से छुड़ाया। यीशु हमें इनसे बचाता है:

क) परमेश्वर के न्याय से (थिस्सलुनीकियों 1:10, 5:9, रोमियों 5:9)

"अत: इससे कहीं बढ़कर उसके लहू के द्वारा धर्मी ठहराए जाकर, _____ ______ ______________________ " (रोमियो 5:9)

ख) शैतान की शक्ति

(प्रेरितों के कार्य 26:18, कुलीसियो 1:13, इब्रानियों 2:14,1 यूहन्ना 3:8)

"उसने तों हमें अन्धकार के साम्राज्य________________________ ____ " (कुलुस्सियों 1:13)

ग)   हमारे अपने आप से

(फिलिप्पियों 3:19,2 कुरिंथियों 5:15, तीतुस 3:3-6, 1 पत्तरस 1:18)

"और वह सभी के लिए मरा, जो जीवित थे ____________________ ____"   (1 कुरिंथियों 5:15)

इन वचनों को देखों और नीचे लिखें कि मसीह महान कहता है।

क)   इब्रानियों 5:8-9____

____

ख)   इब्रानियों   2:10____

____

ग)   2 तोमुथियस 1:10____________________________________

____

2. प्रभु

यीशु को महान के तौर पर जानें"; जो हमें परमेश्वर के राज्य में ले कर आता है पर वह नहीं जहाँ हमारा उससे सम्बन्ध खत्म होता है। एक बार हम उसके राज्य के अन्दर हैं, तब सम्बन्ध अचानक से उतेजित नए बदलाव लेता है। अब हम केवल उसकों महान के तौर पर नहीं परन्तु प्रभु के तौर पर जानते है। वह उसके राज्य में राजा है।

(2कुलुस्सियों 2:6)

"इसलिए मैं तुम्हें बताए देता हूं कि परमेश्वर के आत्मा के द्वारा कोई भी मनुष्य ऐसा नहीं कहता कि "यीशु शापित है" कि और न पवित्र आत्मा के बिना कोई यह कह सकता है कि "यीशु प्रभु है।"   (1 कुरिन्थियों 12:3)

(यह भी देखें यूहन्ना 13:13, रोमियों 1:4, 1 कुरिन्थियों 8:6, 4:5)

जब हम प्रकाश के राज्य में प्रवेश करते है, हम आनन्द मानते है कि हमने बनाया था- प्रभु के साथ सम्बन्ध को मानने के लिए (स्वीकार करने के लिए)। इसी कारण, जब यीशु हमारी जिन्दगी का प्रभु बना, हम ढूँढते हैं उसका राज्य हमारी जानों में हमें पाप की पूर्व अवस्था से ईश्वर की व्यवस्था और शान्ति में ले कर आता है।

देखें (कुलुस्सियों 2:9,10;1कुरिन्थियों 8:6)

"परन्तु हमारे ध्यान में एक ही परमेश्वर है________________

______________________________" (1 कुरिंथियों 8:6)

ख) <u>आदर्श नागरिक</u>

"आपका यही स्वभाव हो जो मसीह यीशु का भी था______________

____________________" (फिलिप्पियों 2:5)

यीशु, भले राज्य का राजा, नौकर बना, वह उदाहरण है कि सच्चा नागरिक क्या है। उसका राज्य इस तरह है।

"आप मुझें गुरू तथा प्रभु कारण, बुलाते हो____________________

____

यदि मैं गुरु और प्रभु हो कर आपके पैर धोता, तो चाहिए__________"

इसलिए जो मैंने आपको एक नमूना दे रखा है__________________

____

(यूहन्ना 13:13-15)

यह भी पढ़ें यूहन्ना 13:5-17, मत्ती 20:26-28 लूका 22:27

ग) <u>राजे के विषय</u>

मसीह के राज्य में सदस्य होने के तौर पर हम मालिक, नौकर के सम्बन्ध के साथ उसमे प्रवेश करते है। (मत्ती 6:24)

यीशु अपने पिता की इच्छा को पूरा करने के लिए आया।(इब्रानियों 10:5-9) उस दिन, प्रतिदिन जिन्दगी में, उसने दिखाया कि राज्य की जीवन शैली कैसी है। परमेश्वर की तारीफ करते रहना (इफिसियों 5:8-10) हमें नौकर वाला दिल रखाना चाहिए, जिस तरह उसके पास नौकर वाला हृदय है।

बहुत सारे क्रिश्चन नौकर रहने के इस सुझाव को पसन्द नहीं करते क्योंकि यह एक मनुष्य को दूसरे प्रति अधीन बनाना प्रतीत होता है। परन्तु बाइबिल में, हम हमारी दिलचस्प परिस्थितियों को ढूँढते है।"

1. गुलामी से आज़ादी है

"परन्तु अब आपने पाप से मुक्त होकर ____________________

______________________________" (रोमियों 6:22)

यह भी पढ़ें वचन रोमियों 6:16-23; 12:1

1 कुरिंथियों 7:22; 2 कुरिंथियों 3:17; इफिसियों 6:6,7 ;1 पत्तरस 2:16

2. नौकर बने रहने में महानता है

"परन्तु जो तुम में सबसे बड़ा____________________

______________________________" (मत्ती 23:11,12)

यह भी देखें मत्ती 20:26,27; मरकुस 9:35,10:43; यूहन्ना 12:26

3. अधिनगी में खुशहाली की अवस्था है

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

"उपरन्त, जो कोई____

____"　　　　(मत्ती 18:4)

यह भी देखें लूका 18:14, नीतिवचन 29:23, याकूब 4:10, 1 पत्तरस 5:5,6, मत्ती 19:30

4. सर्मपण में, अधिकार है

रोमन सैनटूरीयन (फौज का आगू 100 सैनिकों ऊपर) जो यीशु के पास यह सिद्धान्त समझन के लिए आया

"इसी कारण मैंने अपने आप को इस योग्य भी न समझा कि तेरे पास आऊं। केवल वचन कह दे और मेरा सेवक अच्छा हो जाएगा।"

"मैं भी, वास्तव में, शासन के अधीन हूँ और सिपाही मेरे अधीन है। मैं एक से कहता हूं, 'जा' तो वह जाता है, और दूसरे से कहते हूँ 'आ' तो वह आता है और मैं अपने दास से कहता हूँ 'यह कर' तो वह उसे करता है"

"क्योंकि सैनटूरीयन अधिकार के अन्दर था, वह अधिकार को निभाने के योग्य था, और उसने बेजिझक यीशु के अधिकार के अन्दर सर्मपण किया। वचन 1-10 भी पढ़े"____

__________________ वह आपसे भाग जाएगा"　　　　(याकूब 4:7)

"सर्मपण और परमेश्वर की आज्ञाकारी परमेश्वर के राज्य की जीवन शैली का स्वभाव है।"

(देखो मत्ती 12:50, इफिसियों 6:6, इब्रानियों 13:21, 1 यूहन्ना 2:17, 1 थसलुनिकियों 4:1)

हम खुद को सर्मपण परमेश्वर की इच्छा से करते हैं अनइच्छित से नहीं, डर और फर्ज़ के कारण। परन्तु काफी हद तक ।

क) क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ हमारे लिए किया है।

(रोमियों 12:1, इफिसियों 4:1, तीतुस 3:4-7)

ख) क्योंकि करनी में इसलिए हम ढूँढते है पूरा होना (भजन संहिता 40:8)

ग) प्यार के कारण (यूहन्ना 14:15, 1यूहन्ना 5:3)

घ) <u>राज्य का फल</u>

"तुम जानते हो कि जैसे पिता अपने बच्चों के साथ करता है, वैसे ही हम भी तुम में से प्रत्येक को उपदेश देते, प्रोत्साहित करते और आग्रहपूर्वक समझाते रहे"

"कि तुम परमेश्वर के योग्य चाल चलो, जो तुम्हें अपने राज्य और महिमा में बुलाता है।।" (1 थिस्सलुनिकियों 2:11,12)

यह भी देखे 2 थिस्सलुनिकियों 1:5

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

मत्ती 21:43 में यीशु में कहा है राज्य उनसे सम्बन्ध रखेगा जो फल लाएगा। राज्य के फल की बहुत सारे धर्म ग्रन्थों में व्याख्या की गई है।

- प्यार, खुशी, शान्ति (गलातियों 5:22,23)
- भलाई, धर्म, सच्चाई (इफिसियों 5:9, याकूब 3:13,17)
- धर्म, शान्ति, खुशी (रोमियो 14:17, इब्रानियों 12:11)

हम परमेश्वर के द्वारा बनाए गए है, हम उसके राज्य और उसकी जीवन शैली के लिए भी बनाए गए थे।

राज्य का फल साधारण तौर पर पुर्नजन्म के चमत्कार का कुदरती काम है जो पवित्रात्मा हमारे में निभाती है। (देखें गलातियों 5:22)

हमारी परमेश्वर के राज्य के नागरिक होने के तौर पर ज़िम्मेदारी है लोगों की तरह रहने की जिस तरह हम अब है। (1 पत्तरस 2:11)

"तो जो आप ऐसी योग्य चाल चलो जो प्रभु को हरेक प्रकार से उसे प्रसन्न कर सको तथा सब भले कामों से फलवन्त होकर परमेश्वर के ज्ञान में बढ़ते जाओ।" (कुलुस्सियों 1:10)

यह भी देखें (कुलुस्सियों 2:6, इफिसियों 4:1, इफिसियो 6:8-10)

मेरी गवाही

मैं राज्य के निवास का अध्ययन करने के बाद समझा है, कि मैं अपनी जिन्दगी को दूसरो की सेवा के लिए सम्पर्ति करता है, जिस तरह यीशु ने किया। मैं खुद को मसीह का खुशहाल नौकर तथा दूसरों की सहायता करने को कबूल करता हूँ।

याद रखने योग्य वचन

1. इफिसियों 1:17
2. 2 कुरिंथियों 5:15
3. फिलिप्पियों 2:5
4. मत्ती 23:11,12
5. याकूब 4:7
6. कुलिस्सयों 1:10

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाइबिल पढ़ना: 17–अराधना

क) **मुबारक परमेश्वर**

अराधना विश्वासी की जिन्दगी का सम्पूर्ण हिस्सा है। केवल परमेश्वर ही हमारी अराधना योग्य है।

"हे मेरी जान______________________ और जो कुछ मेरे अन्दर है, __________________________________" (भजन संहिता 103:1)

यह मानना बहुत अच्छा है कि हमारे पास हमारे सृष्टिकर्त्ता से वरदाम मांगने की योग्यता है। धर्म ग्रन्थ में परन्तु समय के पश्चात् हम इसे करने की योग्यता रखते है।

हम उससे अपनी तारीफ और उसकी अराधना के द्वारा वरदान माँगते है।

(देखें भजन संहिता 34:1–3)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

ख) **तारीफ**

तारीफ आदर की भावना और गुण प्राप्त करने की क्रिया हैं। जब हम किसी की तारीफ करते है, हम उन्हें कहते हैं कि कितना उत्तम हम सोचते हैं और वह कैसे है और उनकी प्रवनिता (सफलता पूर्वक काम करना) कितनी अच्छी है। और शक्ति को कबूल करने से होती है।

"इसलिए कि तेरी दया जीवन से भी अच्छी है, मेरे होंठ____ मैं तेरा नाम लेकर अपने हाथ पसारूंगा।।"

(भजन संहिता 63:3,4)

1. **<u>हम परमेश्वर की तारीफ क्यों करते है?</u>**

क) जो वो है इस कारण

"परमेश्वर का कीर्तन करो, कीर्तन करो हमारे पातशाह____________

________________________________ के गुण गाओ"

"परमेश्वर हमारे जगत का सुर तान से कीर्तन करो______________

__________________________________" (भजन संहिता 47:6,7)

ख) जो वह करता है इस कारण

"हे मेरी जान, यहोवा को मुबारक कह, और

जो कुछ मेरे अन्धर है, उसके पवित्र नाम को!

____

________________________________"

(भजन संहिता 103:1-5)

2. **<u>कौन परमेश्वर की तारीफ करते हैं?</u>**

क) वह जो परमेश्वर को ढूँढते हैं

"अधीन खाएंगे और तृप्त होंगे_______________________________

_______________________________" (भजन संहिता 22:26)

ख) हरेक जो सांस लेता है

"सभी प्राणियों यहोवा की उस्तत करो" (भजन संहिता 105:6)

3. **<u>हम कब परमेश्वर की तारीफ करते हैं</u>**

क) सभी समय पर

GOOD SHEPHERD
MINISTRY INTERNATIONAL

"मैं हरेक समय यहोवा को मुबारक कहूँगा उसकी उस्तत सदा तेरे मुँह में होगी।।" (भजन संहिता 34:1)

ख) हरेक हालात में

" सदा आनन्द रहो"

" सदा प्रार्थना करो"

" हरेक हाल में धन्यवाद करो_____________________ मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा हैं"

(1 थिस्सुलुनिकियां5:16-18)

4. <u>हम कहाँ परमेश्वर की तारीफ करते हैं</u>

क) परमेश्वर के लोगो आस-पास होने द्वारा

परन्तु यह कहता है,

"मैं अपने भाइयों को तेरा नाम सुनाऊँगा____________________
________________________" (इब्रानियों 2:12)

ख) राष्ट्र (कौम)में

"हे प्रभु, मैं लोगों में तेरा धन्यावाद_____________________
तेरा भजन कीर्तन_____________________" (भजन संहिता 57:9)

ग) अपने बिस्तर पर

"सो अपने जीवन में मैं तुझे सुबारक कहूँगा, ____________________
____________________________"

"और जैकारों के होने से मेरा मुँह तेरी उस्तत करेगा"

(भजन संहिता 63:4-6)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

(ग) अराधना

जहाँ तारीफ आदर की भावना और गुण प्राप्त करने की क्रिया है, वैसे ही अराधना प्यार और प्यार महसूस करने की क्रिया है। किसी का आदर करना और समझना संम्भव है कि वह उनके साथ प्यार के बिना क्या करते हैं। इसी बात पर, अराधना हमार प्रभु के प्यार के साथ होती है। यह केवल प्रगट हो सकती है अपने पूरे मन और जिन्दगी उसको देने से।

"अपने दिल के साथ और सारी समझ के साथ______________________________ और पड़ोसी को अपने जैसा प्यार करना सारे होमों और बलिदानों से बढ़ कर है।" (मरकुस 12:33)

पुराने नेम में इजराएल के धार्मिक कर्म कांड और रस्में प्रभु को नफरतयोग बनी क्योंकि उनके दिल परमेश्वर से दूर थे (यसायाह 1:10-15 स 29:13) आज भी परमेश्वर केवल ईमानदार और सच्ची अराधना से खुश है जो दिल स आती है।

"परन्तु वह समय आता है बल्कि अभी है जो सच्चे भक्त आत्मा और सच्चाई के साथ पिता की भक्ति____________"

"परमेश्वर आत्मा है और जो उसकी भक्ति करते हैं____________________

_________________________" (यूहन्ना 4:23, 24)

यह वचन भो पढ़ें 4:26

1. आत्मा में

हमारी आत्मा "अन्दरूनी इंसानियत" कहलाती है (इफिसियों 3:16) सच्ची अराधना तब होती है जब अन्दरूनी इंसानियत, परमेश्वर की आत्मा की प्रोत्साहन

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

(महिमा) में जवाब देती है, प्यार प्रगट करती और परमेश्वर के प्यार को महसूस करती है।

सच्ची अराधना माँग रखती है पवित्र आत्मा का हमारी आत्मा ऊपर क्रिया (काम)। इसलिए केवल वह जो यीशु मसीह में विश्वास द्वारा। "आत्मा से दोबारा जन्मे हैं" सच्ची अराधना कर सकते है।

(यूहन्ना 3:5-8)

2. सच्चाई में

सच्चाई में परमेश्वर की अराधना और उसकी अराधना जिस तरह बाइबिल कहती है हमे करना चाहिएं। नादाब और अबीहू (महान् जाजक के पुत्र) परमेश्वर के सम्मुख ऊपरी आग लाए और मर गए (गिणती 3:4, 26:61) यह गम्भीर चेतावनी उदाहरण देती है परमेश्वर की योजना को अध्ययन करने की ज़रूरत (मूसा की जगवेदी) प्रचारक संस्था के लिए।

"वहाँ बलिदान, सफाई, मसाह करना और ढकना अराधना से पहले था"

(निर्गमन 30:17-38)

"आप प्रकाश की पौथी 1:5,6 में जानते हां"____________________और जिसने हमे अपने लहु के साथ हमारे पापों से छुड़वा दिया"

"________________________________उसकी महिमा और प्रकाश युगो युग हो"

"वहाँ प्रचार कों की बहुत तैयारी थी उनके पवित्र अस्थान में प्रभु की महिमा के लिए जाने से पहले। उन कदमों को छोड़ दो जो खतरनाक हालात के थे। हमें बाइबिल के रास्ते में सच्चाई में अराधना करनी चाहिए

घ) धर्मग्रन्थों में तारीफ और अराधना के विचार

1. मुँह के साथ

क) __________ (भजन संहिता 9:2,11)

ख) __________ (भजन संहिता 103:1)

ग) __________ (भजन संहिता 47:1)

2. हाथों के साथ

क) __________ (भजन संहिता 63:4)

ख) __________ (भजन संहिता 47:1)

ग) __________ (भजन संहिता 150)

3. शरीर के साथ

क) __________ (भजन संहिता 134:1)

ख) __________ (भजन संहिता 95:6)

ग) __________ (भजन संहिता 30:1)

" कौन है तेरे जैसा है यहोवा देवतों मे ?

____

____

_______________यहोवा के लिए गाओ

क्यों जो वह अधिक ऊँचा हुआ है______"

(निर्गमन 15:11-21)

" हे प्रभु, देवतों में तेरे जैसा कोई नहीं

____

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

____

तूँ तो महान् है____________________

____

____

और सदा तेरे नाम की बड़ाई करूँगा।"   (भजन संहिता 86:8,10,12)

मेरी गवाही

एक महान् बात है कि मैं सदा इस जिन्दगी में और अंत तक परमेश्वर की अराधना करूंगा, मैं आज सच्चा अराधना करने वाला बनने तथा इसको अपने जिन्दगी का महान उद्देश्य बनाने के लिए निश्चय किया है।

याद रखने योग्य वचन

1. भजन संहित 103:1,2
2. भजन संहिता 34:1
3. 1 थिस्सलुनीकियाँ 5:16-18
4. यूहन्ना 4:24

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाईबल पढ़ना 18- प्रार्थना

मैथियों हैनरी ने कहा है, "आप जिन्दा आदमी की तरह ढूँढते हो, जो सांस नहीं लेता और जिन्दा क्रिशचन की तरह जो प्रार्थना नहीं करता, "ऐसी प्रार्थना की जीवनशक्ति क्रिशचन को है, यह पुकार जिंदा और साम्थर्य के परमेश्वर और उस के ऊपर पूरी निर्भता की बुद्धि पर है।

"वह मुझे पुकारेगा और मैं उसको उत्तर दूंगा____________________ ____________________ और उसको अपनी मुक्ति दिखाऊगाँ "

(भजन संहिता 91:15-16)

बाईबल प्रार्थना की अलग-अलग कारवाईयों को दर्शाती है, पर पाठ में हम देखने जा रहे हैं पहले प्रार्थना अकेले के तौर पर। हमारी प्रार्थना जिस तरह कि शरीर इकठ्ठे मज़बूत हो सकते है, हमारे प्रभु साथ निजी समय पर।

क) गुप्त (छुपी हुई) जगह

"परन्तु जब तुम प्रार्थना करो तो एकान्त में ____________________ ____________________और तुम्हारा पिता जो तुम्हारी गुप्त ____________________ तुम्हें प्रतिफल देगा" (मत्ती 6:6)

हम और किसी द्वारा नहीं प्रभु द्वारा परिजित्त प्रार्थना में बुलाए गए है. सि तरह की "गुप्त" प्राथनाएं पहले से ही साबित और निश्चित है।

1. सही उद्देश्य (मत्ती 6:5)

"अब प्रार्थना के बारे मे सुनों। जब तुम प्रार्थना करो ____________________

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

____________________________ सड़क के कोनों और आराधनालयों में,

______________________"

2. सही संबंध परमेश्वर साथ पिता के तौर पर (लूका 11:11-13)

"तुम पापी व्यक्ति होकर भी अपने___________________________

____________________________ पवित्र आत्मा देता है" (वचन 13)

3. प्रभु में सच्चा विश्वास (भजन संहिता 55:16-17)

"परन्तु मैं परमेश्वर को__________________________________

______________________और वह मेरी आवाज़ सुनेगा।"

4. गलत पक्ष का छुटकारा पाना (यर्मयाह 17:10)

"____

____________________________"

यह भी देखे मरकुस 7:6,7

जिस तरह हम परमेश्वर के साथ बातचीत पर अपनी भावनाएं और बोझ बताते है, यह प्यार की भावना (भजन संहिता 34:1-4), पाप कबूल करना (1 यूहन्ना 1:9) निवेदन (मत्ती 7:7) और धन्यवाद देना (इफिसियों 5:4-20) के रूप में हो सकते है।

ख) <u>पाँच आदेश प्रार्थना से सम्बंन्धित</u>

1. हमेशा जागते रहो और प्रार्थना करो

" __________________________________यदि हो सके तो बिना घटनाओं को अनुभव किए तुम मेरी उपस्थिति में पहुंच सको" (लूका 21:36)

यह भी देखे मरकुस 13:35-37

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

2. प्रार्थना करो ऐसा न हो आप प्रलोभन में पड़ जाओ

"जागते रहो और प्रार्थना करते हो______________________________

____________________ आत्मा वास्तव में तैयार है, परन्तु शरीर दुर्बल है"

(मत्ती 26:41)

3. मज़दूरो के लिए प्रार्थना करो

" यीशु ने उनको शिक्षा दी: " पके खेत तो बहुत हैं परन्तु मज़ूद्र बहुत कम हैं। इसलिए खेत के मालिक से विनती करो__________________________"

(लुका10:2)

4. प्रार्थना करो उनके लिए जो अधिकार में है

"मेरे निर्देश यह है: दूसरो के लिए बहुत प्रार्थना करो______________"

____

"____शान्ति और चैन के साथ अपना समय धार्मिकता से बिताते हुए जी सकें" (1 तीमुथियुस 2:1-2)

5. दुश्मनों के लिए प्रार्थना करो

"जो तुम्हें शाप देते है उनको आशीष दो__________________________

____" (लूका 6:28)

ग) कब प्रार्थना करें

बाईबल बहुत सारे लोगों की उदाहरणें देती है जो प्रार्थना करते है (1 इतिहास 4:10)। बहुत सारे वीरों का विश्वास प्रार्थना के लिए एक ओर के निर्धारित तरीके से स्थापित। दिन के लगातार समय को मान सकता है। अकसर दिन के तीन पहर स्थापित है- सुबह पर, दोपहर और शाम।

"____

____________________________________"

(भजन संहिता 55:16-17)

यह भी देखे दानऐल 6:10

प्रतिदिन लगातार प्रार्थना, पूरे मन से प्रार्थना की अच्छी उदाहरण है कि प्रार्थना वह जो धार्मिक कर्मकांड (रीति-रिवाज से सम्बन्धित) से बचाती है प्रभु में ढूँढ सकते है:

1. जल्दी सुबह को (मरकुस 1:35)

2. पूरीरात (लूका 6:12)

3. प्रत्येक भोजन से पहले (मरकूस 6:41)

घ) क्या प्रार्थना करें

1. अपने आप के लिए

"____

____

___________________________________" (1इतिहास 4:10)

2. एक दूसरे के लिए

"अपने दोष एक दूसरे के प्रति मान लो________________________

____________________________" (याकूब 5:16)

3. मसीह के शरीर में संस्थाओं के लिए

"अन्त में, प्रिय भाइयों,__________________________________

____ यह तुम तक पहुँचा था " (2 थिस्सलुनिकियों 3:1)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

4. बीमारों और घबराए हुए के लिए

"क्या कोई तुम्हारे मध्य दु:ख में है? उसको इस विषय पर प्रार्थना_______ ______________________________________ पासबानों को बुलाना चाहिए "______________________________उस पर थोड़ा तेल उड़ेलना__________ ______________________________"   (याकूब 5:13-16)

5. जो पाप द्वारा निश्चित्त है उनके लिए

"यदि तुम किसी मसीही को इस प्रकार का पाप करते देखो, जिसका अन्त मृत्यु न हो____ परमेश्वर उसे जीवन देगा_____________________________"   (1 यूहन्ना 5:16)

ङ) प्रार्थना में मदद

"और इसी प्रकार हमारे विश्वास के द्वारा पवित्र आत्म हमारी दैनिक समस्याओं और प्रार्थनों में हमारी सहायता करता है____________________ हम इतना भी नहीं जानते परन्तु पवित्र आत्मा____________________"

(रोमियों 8:26)

पवित्र आत्मा के हिस्से के उद्देश्य है:

- हमें सिखाता है (लूका 12:12)
- हमारी प्रार्थना में सहायता करता है (रोमियों 8:27)
- हमें हमारे विश्वास में मदद देता है (इफिसियों 3:16-17)

पवित्र आत्मा प्रार्थना में विश्वासोयों को खास तरह से छूता है जो " पवित्र आत्मा में प्रार्थना" कहलाती है   (यहूदा 20; इफिसियों 6:18)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

" हर समय प्रार्थना करो______________ उससे गिडगिडाकर, अपनी आवश्यकताओं का स्मरण दिलाते हुए प्रार्थना करो________________________

____________________________" (इफिसियों 6:18)

हमारी प्रार्थना में मदद, पवित्र आत्मा ने विश्वासी को खास ईनाम भी दिया है:- भाषा का ईनाम प्रार्थना में अन्य भाषा से प्रभु को पुकारना।

देखो 1 कुरिन्थियों 12:4-11

" ____

____

_________________________________" (नीतिवचन 15:8,29)

च) एक समान (दो जन)

"प्रार्थना में दो जनों का इकट्ठे शामिल होना कुछ बहुत सच्चा लाभ देता है, मैं तुम्हें यह भी बताता हूँ यदि तुम में से दो यहाँ पृथ्वी______________________

______________मेरा पिता उसे अवश्य तुम्हारे लिए पूरा करेगा" (मत्ती 18:19)

छ) चर्च प्रार्थना

"यदि वहाँ विशाल शक्ति है जब दो लोग प्रार्थना करते है, परमेश्वर के लोगों का सारा उद्देश्य क्या है?"

(देखें प्रेरितों के कार्य 4:24)

"तब सब विश्वासी इस प्रार्थना में एकजित हुए। हे प्रभु, स्वर्ग पृथ्वी और समुद्र और उनमें की समस्त वस्तुओं के सृष्टिकर्त्ता"

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

आज परमेश्वर अपने लोगों को प्रार्थना के लिए बुला रहा है. चर्च का उद्देश्य प्रार्थना द्वारा व्यक्ति के प्राणों, परिवारों, जातियों, शहरों और राष्ट्र (कौम) को बदलना है।

मेरी गवाही

इस अध्ययन द्वारा मैंने प्रार्थना के अदभुत मौको को माना है- मेरे केवल मेरे परमेश्वर साथ संबंध से नहीं, पर बहुत कुदरती (प्राकृतिक) परिणामों से भी, जो समझता है। मैं अपने आप का कबूल करता हूं, सदा प्रार्थना को अपनी जिन्दगी में अधिक महत्त्वपूर्ण बनाना है।

याद रखने योग्य वचन

1. मत्ती 6:6
2. 1 तीमुथियुस 2:1-2
3. लूका 6:28
4. 1 इतिहास 4:10
5. याकूब 5:16
6. रोमियों 8:26
7. मत्ती 18:19

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाईबल पढ़ना 19- स्वर्ग

"बातें करने में उतावली न करना, ____________________

____

____________________" (सभोपदेशक 5:2,7)

क.स्वर्ग क्या हैं

1. स्वर्ग परमेश्वर के रहने की जगह है

"क्या ईश्वर स्वर्ग के ऊंचे स्थान____________________

__________ ______________ उंचे है" (अय्यूब 22:12)

यह भी देखं (व्यवस्थाविवरण 26:15)

2. स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है

"यहोवा ने अपना सिंहासन______________ ______________

______________ ________ पूरी सृष्टि पर है

(भजन संहिता 103:19)"

यह भी देखें यशायाह 66:1

3. स्वर्ग परमेश्वर की पूरी महिमा की जगह हैं

" मैं ने देखते देखते____________________________ ____

__________________________ ________,फिर न्यायी बैठ गए और

पुस्तके खोली गई" (दानिय्येल 7:9,10)

यह भी देखे प्रेरितों के कार्य 7:55

4. स्वर्ग धर्मियों के विश्वास का घर हैं

"क्योंकि हम जानते है कि यदि हमारा पृथ्वी पर का तम्बू सदृश घर गिरा दिया जाए________________________ ________________ _________ ________________ _________ " (2 कुरिंथियों 5:1)

5. स्वर्ग सभी विश्वासियों के लिए भविष्य का घर है

"इसके पश्चात मैनें दृष्टि की, और देखो______________________ ____ __________________ ________________________ और लोग ऊंची आवाज़ से पुकार कर कह रहे थे, सिंहासन पर विराजमान ________________ ________" (प्रकाशितवाक्य 6:5)

ख.स्वर्ग का स्वभाव

स्वर्ग प्रत्येक किसी से दूर (बाहर) जगह है जो हम संभव कलपना कर सकते है (1 कुरिंथियों 2:9,13:12)।

स्वर्ग पवित्रताई, पूरी महिमा और बिना समाप्ति की जगह की तरह है।

परन्तु भले बाईबल पूरी तरह विवरण को नही दशाती है, कि स्वर्ग क्या है, पर यह कुछ इसके स्वभाव के संकेत देती है। यह है:

1. महान महिमा की जगह

"तब धर्मी अपने पिता के_________________________________ _____________________ जिसके काम हों वह सुन ले।" (मत्ती 13:43)

2. लगातार अराधना की जगह

"इन बातों के पश्चात मैनें स्वर्ग में मानो एक बड़े जनसमूह को उच्च स्वर से यह कहते सुना:____

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

____________________फिर मैनें मानों एक विशाल जनसमूह की आवाज़ तथा समुद्र की लहरों____ __________________________________" (प्रकाशितवाक्य 19:1-6)

3. वह जगह जो कभी समाप्त नही होगी

"और इसी प्रकार हमारे उद्धारकर्ता_____________________________ ___________________________________" (2 पतरस 1:11)

यह भी देखें 1 पतरस 1:4

4. वह जगह जो बुराई से दूषित नहीं है

"परन्तु कोई भी अपवित्र वस्तु या कोई घृणित_____________________ ____________________________, परन्तु केवल वे जिनके नाम मेमने के जीवन की पुस्तक में लिखे है।" (प्रकाशितवाक्य 21:27)

यह भी देखें (इफिसियों 5:5)

प्रकाशितवाक्य नयें यरूश्लेम, स्वर्ग से आना दर्शाती है, जगह बिना: (क) रात (22:5), (ख) शाप (22:3), (ग) दर्द (21:4), (घ) चिल्लाना, दुख (21:4), (ड़) मौत (21:4)

यह कारण है कि स्वर्ग का स्वभाव परमेश्वर के स्वभाव की ऊपज है, क्योंकि स्वर्ग उसकी उपस्थिति का पूरी तरह से संकेत है, क्या परमेश्वर की तरह है, स्वर्ग पवित्रताई, महिमा से भरपूर और बिना समाप्ति की जगह की तरह है।

ग. हमारा स्वर्ग से सम्पर्क

1. हम वहां सम्बन्ध रखते हैं

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

"परन्तु तुम तो सिय्योन पर्वत के और ____________________

____

सिद्ध किए हुए धार्मियों की आत्माओं की उपस्थिति में "   (इब्रानियों 12:22-23)

यह भी देखें (फिलिप्पियों 3:20)

2. हम वहां के वारिस है

"और मसीह यीशु में उसके साथ____________________

______________________________"   (इफिसियों 2:6)

3. हमारे पास हमारी जिन्दगी का स्त्रोत वहां है

"हमारे प्रभु यीशु मसीह का पिता परमेश्वर धन्य हो, __________

____

____________________"   (इफिसियों 1:3)

4. हमनें अपने नाम वहां दर्ज करवाए है

"फिर भी इस बात पर______________________________

______________________________"   (लूका 10:20)

यह भी देखें(इब्रानियों 12:33)

5. हम भेजे गए हैं उसके द्वारा जो वहां रहता है

"व संसार के नहीं है, जैसे कि मैं भी संसार का नहीं हूँ__________

____

____________________उन्हें संसार में भेजा है"

(यूहन्ना 17:16,18)

यह भी देखें (2 कुरिंथियों 5:20)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

6. हमने अपनी आँखे वहां लगाई हुई है

"क्योंकि हमारा पलभर का यह हल्का सा______________________

__________________हमारी दृष्टि उन वस्तुओं पर नहीं__________________

_______________________________ परन्तु अदृश्य वस्तुएं चिरस्थायी है "

(2 कुरिंथियों 4:17,18)

यह भी देखें (इब्रानियों 11:9,10; 14-16)

7. हमारे पास हमारा खजाना कहां है

"हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर की स्तुति हो, _______

_________________________________" (1 पतरस 1:3,4)

यह भी देखें (मत्ती 6:19-21)

8. हम कहां रहने क लिए बुलाए गए

"हे भाइयों, मेरी धारणा यह नहीं कि___________________________

____" परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है। (फिलिप्पियों 3:13-14)

यीशु ने खुद आप, स्वर्ग को मुड़ने से पहले, प्रत्येक विश्वासी से श्वास वायदा कि।

लिखों यूहन्ना 14:1-3 में

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

यह भी देखें (यूहन्ना 17:24)

मेरा वायदा

मैं आज अपनी भावनाओं को स्वर्ग की चीजों के ऊपर स्थापित करने का फैसला किया है, इस धरती की चीजों ऊपर नहीं। मैंने माना है कि मेरा धरती ऊपर रहना अस्थायी है, इसलिए मैं सच्चाई द्वारा स्थापित प्राथमिकता द्वारा रहूगां। मैं दूसरों को इस चमत्कारी अनादि घर की अच्छी खबरों के बारे में बताऊगां। जो यीशु सभी को देता है, जो उस पर विश्वास रखेंगे।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाईबल पढ़ना 20- यीशु कब आएगा

दूसरा आगमन आ रहा है

"क्योंकि जब-जब तुम इस रोटी को खाते और इस कटोरे में से पीते हो, तो जब तक प्रभु न आ जाए उसकी मृत्यु का प्रचार करते हो।"

(1 कुरिंथियों : 11; 26)

(क) उसके आने का वादा

यीशु का धरती पर दूसरी बार अवतार इसाइयों के लिए महत्त्वपूर्ण बात है। नए प्रकाशन के लेखन ने इसको 300 से ज्यादा बार इस पर विचार विर्मश किया। लेखन ने इसके लिए आदर्शात्मक भाषा का प्रयोग किया है। पहली चीज जो कि जानने की जरूरी है, दूसरे आगमन के बारे में, यह है कि आगमन निश्चित है।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

1. यीशु की अपने आगमन के बारे में कही गई बात

"तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा, और पृथ्वी की सब जातियां विलाप करेंगी______________________________________

_____________"

(मत्ती 24:30)

यह भी देखें (यूहन्ना 14:2,3)

2. फरिशतों नें इसकी भविष्यवाणी की

"जबकि वह जा रहा था तो वे उसे जाते हुए आकाश की ओंर एकटक देख रहे थे, और देखो, दो पुरुष श्वेत वस्त्र पहिनें हुए उनके पास आ खड़े हुए, और कहने लगे, "गलीली पुरूषो, तुम खड़े आकाश की ओर क्यों देख रहे हो? ______

____

____"

(प्रेरितों के कार्य 1:10-11)

3. संसकारिक क्रिश्चन एक दूसरे की बुद्धि की तीव्रता को बढ़ाते है

"क्योंकि प्रभु स्वयं ललकार और प्रधान स्वर्गदूत की पुकार और परमेश्वर को तुरही की आवाज़ के साथ स्वर्ग से उतरेगा, और जो मसीह में मर गए हैं, वे पहिले जी उठेंगे____

____

____ इसलिए इन बातों से एक दूसरे को शान्ति दिया करो।" (1 थिस्सलुनीकियों 4:16-18)

यह भी देखें (प्रकाशितवाक्य 1:7)

4. पवित्र आत्मा इसकी गवाही प्रदर्शित करता है

"अब जिसने हमें इसी अभिप्राय के लिए तैयार किया है, वह परमेश्वर है। उसने हमें बायने में आत्मा दिया है।" (2 कुरिंथियों 5:5)

"इसलिए हे भाइयो, प्रभु के आगमन तक धैर्य रखो। देखो, कृषक भूमि की मूल्यवान उपज के लिए प्रथम और अन्तिम वर्षा होने तक धैर्य बांधे ठहरा रहता

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

है। ____

______________________________"   (याकूब 5:7-8)

यह भी देखें (इब्रानियों 10:37)

(ख) यीशु कैसे वापिस आएगा?

1. अप्रत्याशित

"अब, भाइयो, हमें समय और तिथि के बारे में तुम्हें बतामे की जरूरत नहीं, क्योंकि भली-भांति जानत हो__________________________

____

____________________________________जब लोग कह रह है, शांति और बचाव विनाश अचानक उनकी तरफ आएगा। ......"

2. प्रकाश की तरह

"क्योंकि____

________________________ वैसे ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा।"

(मत्ती 24:27)

यह भी देखें (लूका 17:27)

3. उसी मार्ग में जो उसने छोडा

"यही यीशु जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया है, ______________

____

____________________________ "

(प्रेरितों के कार्य 1:10-11)

4. महान शक्ति और महिमा के साथ

"तब वे मनुष्य के पुत्र को__________________________________

__________________________" (लूका 21:27)

5. सब के सामने

"देखो, वह बादलों के साथ आने वाला है, __________________________ "

"वरन् व भी देखेंगे जिन्होंने उसे बेधा था, ____________________________"

"कुल उसके कारण विलाप करेंगे। हां आमीन।________________________ "

(प्रकाशितवाक्य 1:7)

(ग) <u>नाटकीय घटनाएं बदलेगी</u>

1. आयु के रहस्य पूरे होंगे

"........ और उसको शपथ खाकर जो युगानुयुग जीवित है____________

____

____

_________________________________ "

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

(प्रकाशितवाक्य 10:6-7)

यह भी देखें(16:25-26)

2. परमेश्वर के लोग अपनी पूरी महिमा से प्रवेश करेंगे

"परन्तु हमारी नागरिकता स्वर्ग की है, जहाँ से हम उदारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के आगमन की प्रतीक्षा उत्सुकता से कर रहे हैं। ____________________

________________________"   (फिलिप्पयों 3:20-21)

यह भी देखें (1 कुरिंथियों 15:35-53)

3. मसीह में मरे जीवन के लिए उठेंगे

"........ तथा यह जानते हैं कि जिसने प्रभु यीशु को जिलाया, ________

____

____"

(2 कुरिंथियों 4:14)

यह भी देखें (यूहन्ना 6:40 , यूहन्ना 11:25)

4. वो विश्वासी जो अभी तक जिन्दा है उसे मिलने के लिए इकट्ठे होगें

"और वह तुरही की तीव्र ध्वनि के साथ अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा______

____________________________________"

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

(मत्ती 24:31)

5. संपूर्ण सृष्टि गुलामी से आजाद स्थापित की जाएगी

"क्योंकि सृष्टी की________________________ परमेश्वर के पुत्रों के प्रकट होने की प्रतीक्षा कर रही है।__________________________________

_____________, परन्तु अपनी इच्छा से नहीं, वरन् उसकी जिसने उसे अधीन कर दिया। इस आशा में ____

____"

(रोमियों 8:19-21)

यह भी पढ़ें (22और यशायाह 35:1-7)

6. प्रत्येक दुशमन नष्ट हो जाएगा

" इसके पश्चात अन्त होगा। उस समय वह समस्त शासन, _________

____

________________________________ जब तक वह अपने सब शत्रुओं को पैरों तलें न कर ले, _________________________________ "

(1 कुरिंथियों 15:24-25)

यह भी देखें (2 थिस्सलुनिकियों 1:7-10,2-8)

7. शैतान रवाना किया जाएगा

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

"तब मैंने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा, जिसके हाथ में अथाह-कुंड की कुंजी और एक बड़ी जंजीर थी। उसने उस अजगर, उस____________

_______________, जो इबलीस और शैतान है, __________________

और_______________________________"   (प्रकाशितवाक्य 20:1,2)

यह भी देखें (3,7-10)

8. न्याय किया जाएगा

"क्योंकि परमेश्वर के लिए__________________________________

____

____ उसकी शक्ति के प्रताप से दूर होकर अनन्त विनाश का दण्ड पाएंगे"

(2थिस्सलुनिकियों 1:6-9)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

9. राज्य स्थापित किया जाएगा जो कभी नष्ट नहीं होगा

____

____

____

____

(दानियेल 2:44)

यह भी देखें (प्रकाशितवाक्य 19:15-16)

मेरा वायदा

यीशु का दूसरा आगमन मेरे भविष्य की आशा है। मैं जितने लोगों को यीशु के बारे में बता सकता हूँ, बताऊँगा, उनके दूबारा आने से पहले। मेरा उनसे वायदा है और मैं उत्सुकता से उस दिन का इंतजार कर रहा हूं।

याद रखने योग्य वचन

1. मत्ती 24:30

2. 1 थिस्सलुनिकियों 4:16-18

3. फिलिप्पयों 3:20-21

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाईबल पढ़ना 21–परमेश्वर का बुलावा

परमेश्वर के पास हर एक विश्वासी को जिन्दगी के लिए प्रभु यीशु मसीह में एक योजना है। उसका बुलावा पूरी तरह हमारे लिए केवल अद्‌भूत उद्देश्यों को अनंतकाल तक शामिल नहीं करता पर हमारे पास उस बुलावे का विचार भी है जो अब धरती के ऊपर है।

"यदि हम सन्तान है तो______________________________________

________________________________ उसके साथ दुख उठाते है कि उसके साथ महिमा भी पाए"

"हम जानते है कि लोग______________________________________

________________________________ परमेश्वर के पुत्रों के प्रकट होने की प्रतिक्षा कर रही है " (रोमियो 8:17,28)

यह भी देखो 45:29,30

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

क) <u>परमेश्वर ने हमे बुलाया</u>

1. शब्द की स्थापना (रचना) से

"उसने हमे जगत की उत्पति से पूर्व ____________________________

__________________________________लेपालक पुत्र होने के लिए ठहराया "

(इफिसियो 1:4–5)

यह भी देखों (इफिसियों 2:10 मत्ती 25:34)

2.

"परन्तु तुम एक चुना हुआ वंश__________________________________

____ जिसने तुम्हे अंधकार से अपनी अद्‌भूत ज्योती में बुलाया है" (1 पतरस 2:9)

यह भी देखों (रोमियों 9:23-26)

3. उसके उद्देश्यों को पूरा करने के लिए

"अत: तू न हमारे प्रभु की साक्षी देने से_________________________

____ जो मसीह यीशु में अंनत काल से हम पर हुआ" (2 तीमुथियुस 1:8,9)

यह भी देखों (रोमियों 8:28 फिलिप्पियों 3:14)

ख) <u>धरती के ऊपर हमारा बुलावा</u>

"पौलुस की और से, जो मसीह यीशु का दास है______________

____________________________ पृथक किया गया" (रोमियों 1:1)

उसकी अपनी संस्था में दर्शाया गया है, संत पौलुस हमें बुलावे की उदाहरण देता है, जो हरेक विश्वासी के ऊपर है। इसके तीन पक्ष है।

मुख्य बुलावा - "मसीह का दास"

यीशु ने हमारे लिए बहुत ऊँची कीमत दी है : उसकी अपनी जिन्दगी ।

"क्योंकि जो दासता की दशा में प्रभु में बुलाया गया है ______________

______________________________________" (1कुरिंथियों 7:22-23)

यह भी देखो (1 कुरिंथियों 6:19-20)

जब पौलुस अपने आप को यीशु मसीह का दास बनने के लिए बुलाता है । उसने एक जैसा गहरा मतलब बनाया । उसके दिन की प्रथा अनुसार, यदि दास

समय पर आया जब वो आज़ाद स्थापित हो सका, पर उसने उसके उस्ताद (मालिक) के प्यार से अपनी आजादी को चुनना मंजूर नहीं किया । तब उसने अपने कान में छेद का निशान प्राप्त किया । यह निशान था उसकी जिन्दगी के लिए उस्ताद (मालिक) का प्यारा दास था (निर्गमन 21:5, व्यवस्था विवरण 15:16,17) सन्त पौलुस ने अपनी इन्छा द्वारा अपने आप को प्रभु यीशु का प्यारा दास घोषित किया ।

2. खास बुलावा - "सन्त बनने के लिए बुलावा"

जिस तरह सन्त पौलुस के पास उसकी जिन्दगी में खास बुलावा था, इसलिए प्रत्येक विश्वासी करता है । पौलुस सन्त बनने के लिए बुलाया गया था, पर मसीह में बहुत सारे अलग-अलग बुलावे है ।

यह भी देखें रोमियो 12:3:8, इफिसियों 4:7-16 और उनकी सूची तैयार करो

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

____

____

____

____

____

मुख्य भाग जो परमेश्वर के पास हमारे लिए प्रगट करने के लिए हैं हमें प्रगट किया जाएगा जिस तरह हम गम्भीरता से उसकी इच्छा को ढूँढते हैं ।

3. विशिष्ट (साधारण से अधिक) बुलावा - "सुसमाचार के लिए अलग किये गए"

हरेक खास बुलावे में विशिष्ट (साधारण से अधिक) बुलावा है । उदाहरण के लिए, पत्तरस और पौलुस दोनों संत थे, एक यहुदियों का संत था तथा पौलुस ओर जातियों (जैनटाईल) का था । देखो रोमियों 11:13

"और इसके लिए मैं परचारक और प्रेरित और विश्वास ______________ ____________________" (1 तिमुथियुस 2:7, 1 कुरिंथ्यों 12:4-11)

हम अपने खास तथा विशिष्ट (साधारण से अधिक) बुलावे में केवल उस समय जाते हैं जिस तरह हम अपने "प्यारे दास" साबित करते हैं । इसलिए हमें पहले मसीह में पूरे अधिकार को समझना जरूरी है इससे पहले हम उस द्वारा भेजे जा सकें ।

और देखो (मत्ती 28:18-19)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

ग) <u>वह हमें क्यों बुलाता है?</u>

1. क्योंकि संसार (जगत) अंधेरे में हैं

"हम जानते हैं भाई हम परमेश्वर से है___________________________ _____________________________ वंश में पड़ा हुआ है"

(1यूहन्ना 5:19)

यह भी देखे (इफिसियों 6:12 और कुलिसियों 1:13)

2. क्योंकि लोग भूखे और जरूरत में हैं

"और जनसमूह को देखकर उसे लोगों पर तरस आया, __________ __________ __________ __________ ______" (मत्ती 9:36)

3. उसके ज्ञान को साबित करने के लिए

"कि अब कलीसिया के द्वारा परमेंश्वर का विभिन्न प्रकार का ज्ञान______

____" (इफिसियों 3:10-11)

4. क्योंकि समय कम है

"क्या तुम यह नहीं कहते, अभी कटनी के चार महीने हैं______________

________________________________" (यूहन्ना 4:35)

घ) <u>क्या होता हैं जब हम बुलाए जाते हैं</u>

1. हम उसके द्वारा बनाए गए हैं

"और उनको कहा, मेरे पीछे आओं_____________________________

__________________________________" (मत्ती 4:19)

यह भी देखें (यिर्मयाह 18:1-10)

2. हम उसके द्वारा सिखलाए गऐ हैं

"पर वो सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसको पिता मेरे नाम

__________ __________ __________ __________ " (यूहन्ना 14:26)

यह भी देखें (1 कुरिंथियो 2:12;1 यूहन्ना 2:27)

3. हम उसके द्वारा भेजे गए हैं

"जिस तरह तूनें मुझे संसार में भेजा, मैंने भी उन्हें संसार में भेजा है"

(यूहन्ना 17:18)

यह भी देखें (मरकुस 16:15)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

जब परमेश्वर नाम बुलाता है, वह हमारी जिन्दगीयों में डालता है। इसलिए इसकी उदाहरणें धर्म ग्रन्थ में है। (मारूथल में चरवाहा)

"मेरे लोगों को आज़ाद करवा" (निर्गमन 3:1-12)

शमूएल (लड़का हैकल में सेवा करता): "उठ मेरे लिए प्रचार कर"

(1 शमूएल 3:1-19)

यहेजकेल (परदेस पृथ्वी में कैदी): "खड़ा हो, मैं तुम्हें भेजता हूँ"

(यहेजकेल 2:1-7)

चेले (व्यापारी, मछुआरे):- "आ, मेरे पीछे चल"

(लूका 5:27,28, मत्ती 4:18-22)

शाऊल (चर्च का दुश्मन):- "जाओ, मैं तुम्हें बताऊंगा तुझे क्या करना"

(प्रेरितों के कार्य 9:1-4)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

मेरी गवाही

"अब मैंने माना है कि परमेश्वर के पास मेरी जिंदगी के लिए एक योजना हैं जहाँ तक कि संसार की स्थापना से पहले, मैं अब इस योजना के लिए पूरा वायदा करता हूं और सभी रास्तों में प्रभु के पीछे चलूँगा"

याद रखने योग्य वचन

1. इफिसियों 1:4-5
2. 1 पत्तरस 2:9
3. इफिसियों 3:10-11
4. यूहन्ना 4:35